IN THE NATIONAL GREEN CRIMINAL PRINCIPAL BENCH, FARID COURT HOUSE, COPERNICUS MARG, NEW DELHI,
O.A. No. 350 of 2025,
(Under section 14 r/w Section 15 and 16(1) of the National Green Tribunal Act, 2010)

In the mater. Of :-

Dr. Sandeep Pahal v. State of Uttar Pradesh & Ors.

INDEX

Sr. No.	Contents	Page Nos.
1.	Additional Affidavit	**1-2**
2.	Photographs Showing severe water pollution	**3-19**
3.	Proof of Service	**20**

Date : 25-02-2026

Applicant

Dr Sandeep Pahal S/o Shobir Singh
R/o 306, Western Kutchery Road, Meerut,
Uttar Pradesh-250002
E-Mail: sandeepahal13@gmail.com
Ph: 9837030700

Through counsel

Satyabeer Singh, Advocate
Counsel for the Applicant
B-18B, Lower Ground Floor,
B-Block, Kalkaji, New Delhi-110019,
Ph: 9927017907

IN THE NATIONAL GREEN CRIMINAL PRINCIPAL BENCH, FARID COURT HOUSE, COPERNICUS MARG, NEW DELHI,
O.A. No. 350 of 2025,
(Under section 14 r/w Section 15 and 16(1) of the National Green Tribunal Act, 2010)

In the mater. Of :-

Dr. Sandeep Pahal v. State of Uttar Pradesh & Ors.

Affidavit

I, Dr Sandeep Pahal S/o Sh. Shobir Singh, age about 54 years, 306, Western Kutcheri Road, Meerut, Uttar Pradesh – 250002, E-Mail: sandeepahal13@gmail.com , Ph: 9837030700 do hereby solemnly affirm and declare as under:-

1. That being the Applicant in the caption Original Application, I am fully competent to swear the present affidavit and convergent with the facts, circumstances and records of the present case.
2. That the severity of the water pollution is more than what has been reported by the Uttar Pradesh Pollution Control Board and exist for a long period of time. The people living in the vicinity of the Sugar Mill are facing life threatening diseases as an aftermath of the severe water pollution.
3. That the penalty imposed by the Uttar Pradesh Pollution Control Board is not sufficient to compensate what are the losses sustain to the nearby population and therefore required to be impose the heavy penalty or compensation in the welfare of the nearby population.
4. That the water pollution extended to the river, Kali Nadi, also, which is looking like a black road. The water flowing in the river Kali Nadi causing severe water pollution and grave threat to the people living on the places through where the river is passing. The photographs showing severe water pollution are annexed here with as **Annexure-FSA/1.**
5. That this Honourable Tribunal in various its judgements has laid down that the factories like sugar mill will operate **with zero discharge** and therefore imposing penalty only for the water pollution in past is not sufficient, it require further steps to be taken for future also, that no water pollution will be caused by the Sugar Mill in future.

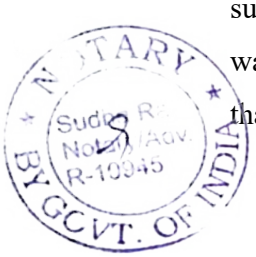

DEPONENT

VERIFICATION

I, Dr Sandeep Pahal S/o Sh. Shobir Singh, R/o Shobir Singh, age about 54 years, 306, Western Kutcheri Road, Meerut, Uttar Pradesh – 250002, E-Mail: sandeepahal13@gmail.com , Ph: 9837030700 do hereby verify and declare that the contents of para 1 to 4 Of the above affidavit are true to my personal knowledge, and that I have not surprised any material facts

Verified at Modinagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh on 24–02–2026

DEPONENT

NOTARY
BY GOVT. OF INDIA
R-10945

ATTESTED
SUDHA RANI
Advocate
Notary Public
Tehsil Modi Nagar
Ghaziabad

24 FEB 2026

3

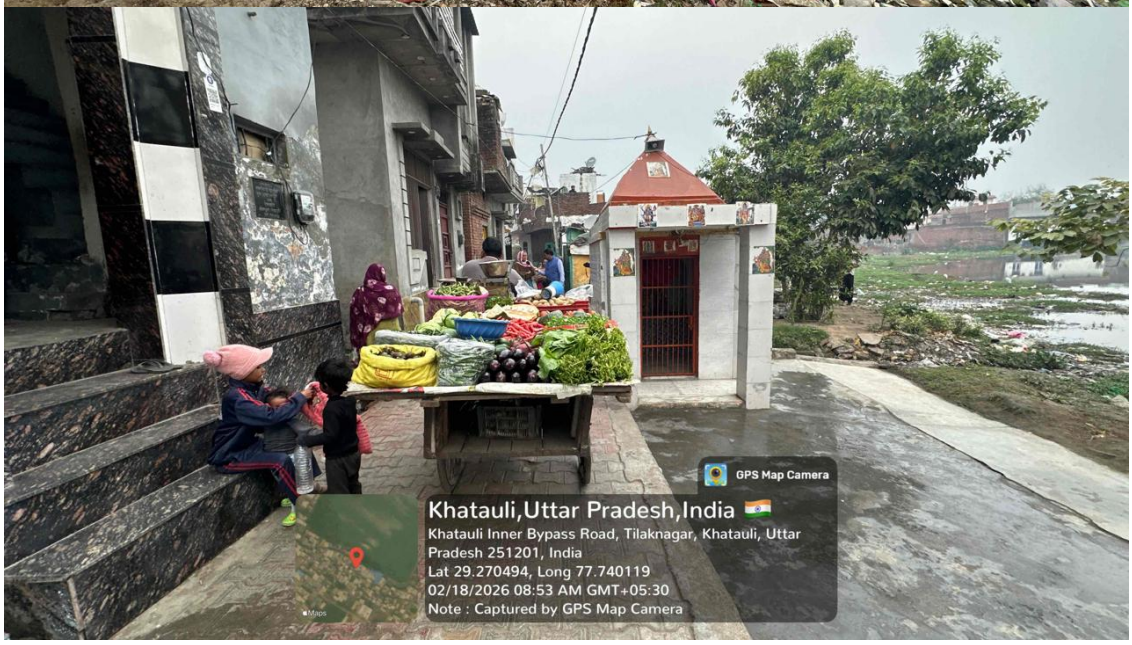

GPS Map Camera
Khatauli,Uttar Pradesh,India
Khatauli Inner Bypass Road, Tilaknagar, Khatauli, Uttar Pradesh 251201, India
Lat 29.270614, Long 77.739920
02/18/2026 08:47 AM GMT+05:30
Note : Captured by GPS Map Camera

GPS Map Camera
Khatauli,Uttar Pradesh,India
Khatauli Inner Bypass Road, Tilaknagar, Khatauli, Uttar Pradesh 251201, India
Lat 29.270494, Long 77.740119
02/18/2026 08:53 AM GMT+05:30
Note : Captured by GPS Map Camera

NOTARY
BY GOVT. OF INDIA
R-10945

NOTARY
BY GOVT. OF INDIA
R-10945

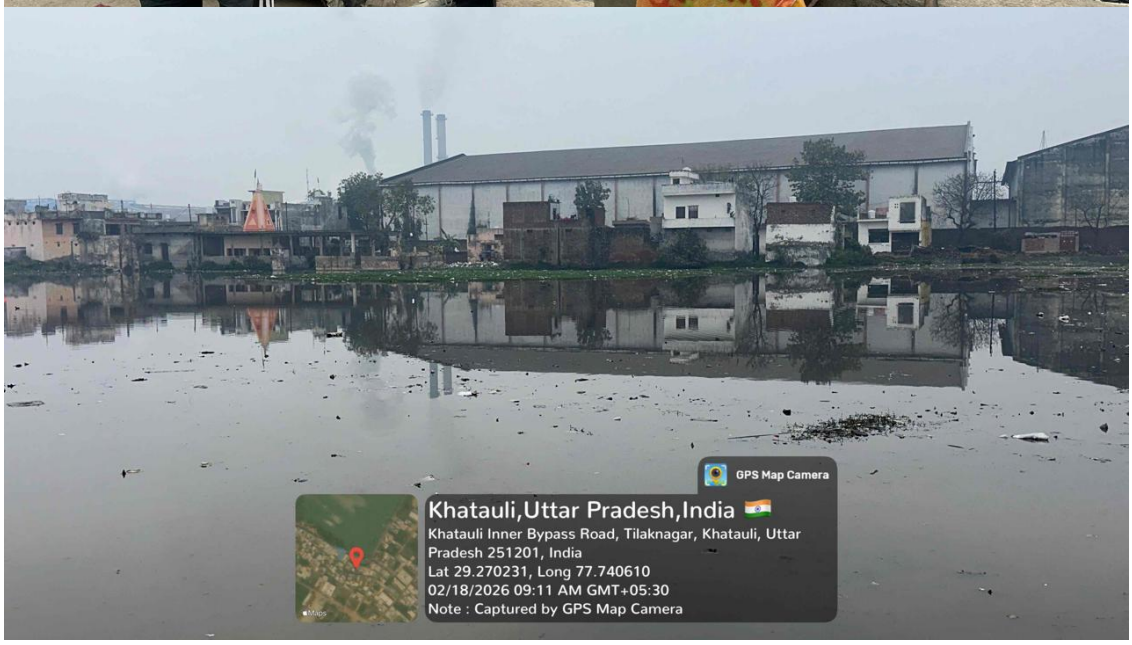

NOTARY
R-10945
BY GOVT. OF INDIA

NOTARY BY GOVT. OF INDIA R-10945

GPS Map Camera
Muzaffarnagar,Uttar Pradesh,India
Khatauli Inner Bypass Road, Khatauli, Muzaffarnagar, Uttar Pradesh 251201, India
Lat 29.277498, Long 77.774751
02/18/2026 09:29 AM GMT+05:30
Note : Captured by GPS Map Camera

GPS Map Camera
Muzaffarnagar,Uttar Pradesh,India
Khatauli Inner Bypass Road, Khatauli, Muzaffarnagar, Uttar Pradesh 251201, India
Lat 29.277521, Long 77.774735
02/18/2026 09:29 AM GMT+05:30
Note : Captured by GPS Map Camera

NOTARY BY GOVT. OF INDIA R-10945

NOTARY BY GOVT. OF INDIA R-10945

GPS Map Camera
Muzaffarnagar,Uttar Pradesh,India
Khatauli Inner Bypass Road, Khatauli, Muzaffarnagar, Uttar Pradesh 251201, India
Lat 29.278117, Long 77.783560
02/18/2026 09:36 AM GMT+05:30
Note : Captured by GPS Map Camera

GPS Map Camera
Muzaffarnagar,Uttar Pradesh,India
Yahiyapur Road, Khatauli, Muzaffarnagar, Uttar Pradesh 251201, India
Lat 29.278124, Long 77.783384
02/18/2026 09:39 AM GMT+05:30
Note : Captured by GPS Map Camera

NOTARY BY GOVT. OF INDIA
Sudip R.
Notary/Adv.
R-10945

NOTARY
BY GOVT. OF INDIA
R-10945

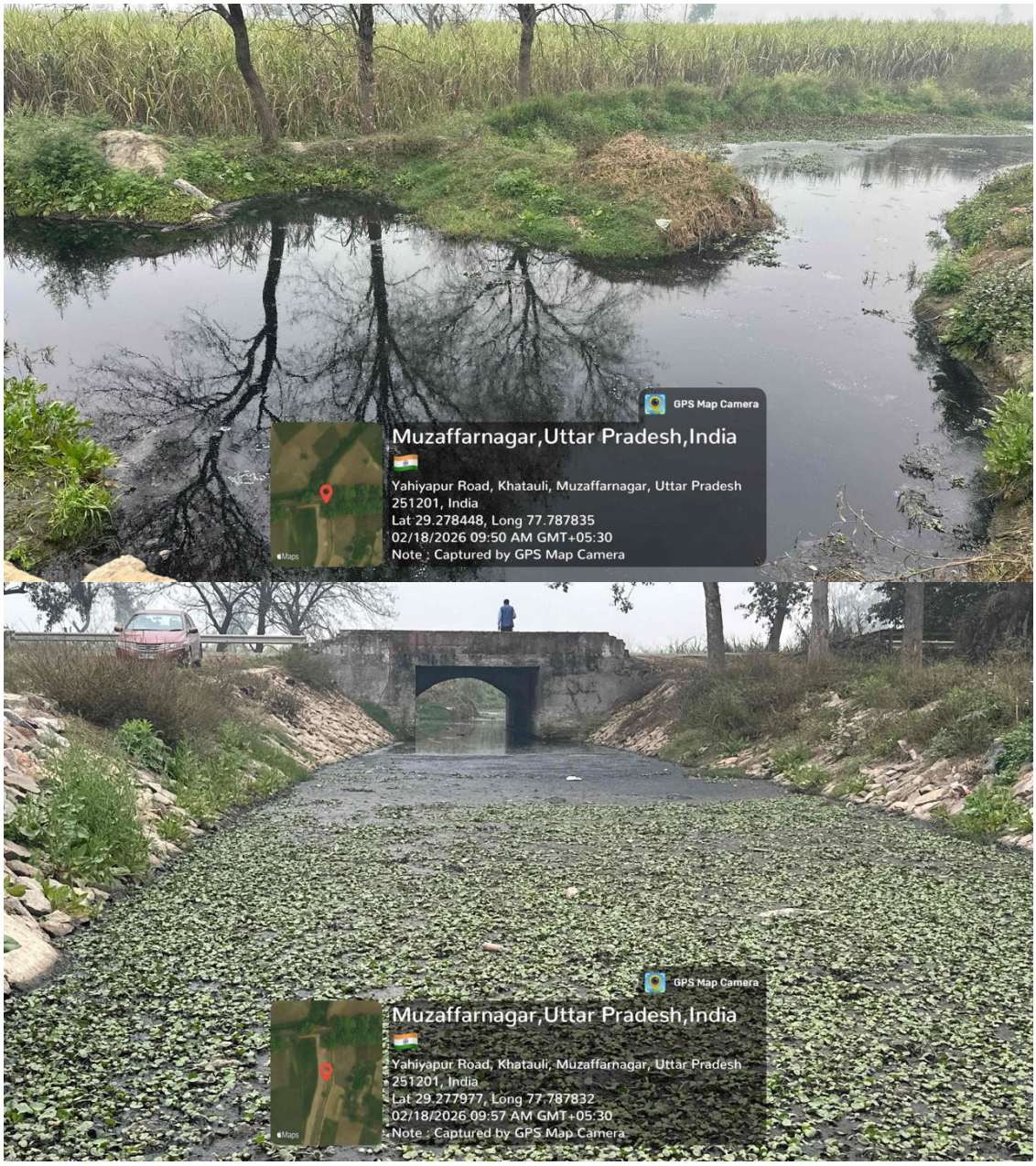

NOTARY BY GOVT. OF INDIA
Sudip Ra...
Notary /Adv.
R-10945

GPS Map Camera
Muzaffarnagar,Uttar Pradesh,India
Yahiyapur Road, Khatauli, Muzaffarnagar, Uttar Pradesh 251201, India
Lat 29.277514, Long 77.787655
02/18/2026 10:05 AM GMT+05:30
Note : Captured by GPS Map Camera

NOTARY
BY GOVT. OF INDIA
R-10945

कनेडा, दिल्ली हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, तमिलनाडु, केरल, मणिपुर, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान से इस टूर्नामेंट में भाग लेंगे ।

इस टूर्नामेंट का मुख्य आकर्षण यह है कि यहां पर सभी खिलाड़ियों को ब्रेकफास्ट, लंच, शाम की चाय, बाल पिकर, चेयर एम्पायर, व एक बहुत ही सुंदर सी वेलकम किट दी जाती है। मेहमाननवाजी के नाम पर तो मेरठ हमेशा ही नंबर वन पर रहा है इन सब को देखते हुए देश और विदेश से खिलाड़ी पूरे साल इस टूर्नामेंट का इंतजार करते हैं।

राहुल दास व मेरठ कालेज के साथ्य विवेक गग आदि मौजूद थे। आयोजकों ने इस टूर्नामेंट को सफल बनाने का संकल्प लिया और आईटीएफ व एआईटीए को आश्वासन दिया की इस साल का टूर्नामेंट पहले से भी कई गुना अधिक सफल होगा। इस टूर्नामेंट में एक विशेष बात यह भी है कि सभी विदेश से आने वाले खिलाड़ियों व महिला खिलाड़ियों को होटल में निशुल्क रहने की सुविधा दी गई है जो कि पूरे भारतवर्ष में कहीं नहीं दी जाती।

जानकारी प्राप्त हुई।

विद्यार्थियों को उद्योग विशेषज्ञों से प्रत्यक्ष संवाद का अवसर भी मिला, जिससे उन्हें वर्तमान औद्योगिक आवश्यकताओं, कौशल विकास की दिशा तथा एआई एवं संबंधित क्षेत्रों में भविष्य की करियर

इस शैक्षणिक भ्रमण का नेतृत्व श्री विजय माहेश्वरी एवं सुश्री हिमानी चौधरी ने किया, जबकि प्रखंड बी.टेक सीएसई तृतीय वर्ष के विद्यार्थि ने समन्वय एवं छात्र प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

खतौली चीनी मिल ने शेखपुरा से काली नदी तक घोला ज़हर

खतौली से विशेष रिपोर्ट।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में पर्यावरण कानूनों की धज्जियाँ उड़ाने का सबसे भयावह उदाहरण बन चुकी है त्रिवेणी शुगर मिल। शेखपुरा गांव से लेकर काली नदी तक, मिल का केमिकल मिला काला पानी खुलेआम नालों और नदी में छोड़ा जा रहा है, जिससे खेती, सेहत और जीवन तीनों पर गहरा संकट खड़ा हो गया है।

मुज़फ्फरनगर जनपद के खतौली क्षेत्र में मिल से निकलने वाला जहरीला पानी गांवों की नालियों, तालाबों और खेतों से होता हुआ सीधे काली नदी में मिल रहा है। हालात यह है कि हैंडपंपों से बदबूदार पीला पानी निकल रहा है, खेतों की उपज गिर रही है और गांवों में त्वचा, पेट, लीवर व कैंसर जैसी बीमारियों के मामले बढ़ते जा रहे हैं।

15 मई 2025 को उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की जांच में मिल का ट्रीटमेंट प्लांट बंद पाया गया था। रिपोर्ट में साफ दर्ज हुआ कि बिना शुद्धिकरण का केमिकल युक्त पानी नाले और फिर काली नदी में छोड़ा जा रहा है, जो आगे जाकर गंगा तक पहुंचता है। इसके बावजूद कार्रवाई नोटिस और जुर्माने से आगे नहीं बढ़ी।

नमामि गंगे परियोजना के तहत बने ढांचे खतौली क्षेत्र में निष्क्रिय पड़े हैं, जबकि मिल का जहरीला पानी आज भी बेरोकटोक नदी में बह रहा है। नाले के किनारे पेड़ सूख चुके हैं, मछलियां खत्म हो गई हैं और किसान मजबूरी में उसी मिल को गन्ना देने को विवश हैं ग्रामीणों की मांग साफ है—मिल का प्रदूषित पानी तत्काल रोका जाए, नदी-नालों की वैज्ञानिक सफाई हो, पानी और मिट्टी की स्वतंत्र जांच कराई जाए और फैक्ट्री प्रबंधन पर आपराधिक कार्रवाई की जाए।

आज काली नदी सिर्फ नदी नहीं रही, बल्कि चीनी मिल का ज़हर ढोने वाला नाला बन चुकी है। सवाल यह है कि क्या प्रशासन अब भी इसे कागजों की फाइलों तक सीमित रखेगा या इस ज़हर पर सच में लगाम लगेगी?

खतौली चीनी मिल से सटा शेखपुरा गांव का तालाब जिसमें चीनी मिल से निकला ज़हरीला पानी भरा है।

महादेव देवी मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा उत्सव, शिव परिवार की भव्य शोभायात्रा से नगर हुआ शिवमय

कीर्ति प्रकाश ब्यूरो

सरधना(मेरठ)

महादेव देवी मंदिर में चल रहे प्राण प्रतिष्ठा समारोह के अंतर्गत आज शिव परिवार की प्रतिष्ठित प्रतिमाओं की भव्य शोभायात्रा नगर में धूमधाम से निकाली गई। शोभायात्रा में शिवलिंग, भगवान कार्तिकेय, माता पार्वती एवं नंदी की आकर्षक प्रतिमाएं शामिल रहीं शोभायात्रा का उद्घाटन पूर्व विधायक ठाकुर संगीत सिंह सोम ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्राण प्रतिष्ठा जैसे पावन आयोजनों से संपूर्ण भारतवर्ष शिवमय हो उठता है और यह सनातन संस्कृति की जीवंत परंपरा का प्रतीक है। उन्होंने सकल हिंदू समाज को शुभकामनाएं भी दीं।

शोभायात्रा अंबेडकर द्वार, उत्तरी रामलीला रोड, कबाड़ी बाजार, बिनौली अड्डा, पाठक शिला रोड और गुजरान गेट से होते हुए पुनः मंदिर परिसर में संपन्न हुई। मार्गभर श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा की और कई स्थानों पर जलपान की व्यवस्था की गई।

इस दौरान सैकड़ों की संख्या में महिलाएं और पुरुष अपने आराध्य की प्रतिमाओं के साथ भजन-कीर्तन करते हुए नाचते-गाते चल रहे थे। चारों ओर धर्म ध्वजाएं लहरा रही थीं, बैंड की धुन पर भजन गूंज रहे थे और हर-हर महादेव के जयकारों से वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया।

आयोजन की व्यवस्थाओं में राजेश्वरी, शिक्षा देवी, दीपक शर्मा, श्यामवीर तोमर, कर्मेंद्र चौधरी, मनमोहन त्यागी, अर्जुन राणा, अनिल चौधरी, राजकुमार प्रजापति, अशोक सोम, ललित गुर्जर, पवन दरोगा, प्रदीप बुद्धि राजा, संजीव पवार, प्रेमलता सक्सेना, विमला अरोड़ा और शालिनी सैनी सहित सैकड़ों श्रद्धालुओं ने सक्रिय सहभाग किया।

पूरे आयोजन में श्रद्धा, भक्ति और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला, जिसने नगर को शिवभक्ति के रंग में रंग दिया।

सम्पादकीय.....

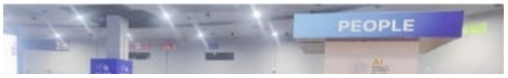

NOTARY Sudha R. Notary/Adv. R-10945 BY GOVT. OF INDIA

एनजीटी में 25 को होगी काली नदी के प्रदूषण को लेकर सुनवाई

संवाद सहयोगी, जागरण● खतौली : काली नदी के प्रदूषण को लेकर मेरठ के अधिवक्ता संदीप पहल की तरफ से एनजीटी (नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल) में वाद डाला गया है। उस पर 25 फरवरी को सुनवाई होगी। संदीप पहल का कहना है कि काली नदी के जल को त्रिवेणी शुगर मिल का केमिकल दूषित बना रहा है। इसकी वजह से आसपास के गांवों में भी प्रदूषण फैल रहा है।

उन्होंने बताया कि एक साल पहले उन्होंने एनजीटी में इसको लेकर वाद दायर किया था। काली नदी को प्रदूषित करने में त्रिवेणी शुगर मिल की बड़ी भूमिका है। 15 मई 2025 को प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की जांच में भी कई गंभीर उल्लंघन मिल प्रबंधन के पकड़ में आए थे, लेकिन हालात बदल नहीं पाए हैं। उनका दावा है कि खतौली के निकट गांव शेखपुरा में भी इस प्रदूषण का प्रभाव मिलता है। यहां हैंडपंप से भी पीले रंग का पानी निकलता है। ग्रामीणों को त्वचा, एलर्जी, पेट की बीमारियां घेर रही हैं। केमिकलयुक्त जल से नालियां काले झाग से भरी रहती हैं। उसमें रासायनिक की दुर्गंध उठती है। जल जीवन मिशन के तहत ओवरहेड टैंक बनाया गया है, लेकिन अब तक उसका पानी घरों तक नहीं पहुंचा है। चीनी मिल के केमिकलयुक्त जल को काली नदी में भी छोड़ा जा रहा है, जिससे काली नदी के आसपास के गांवों का पानी दूषित हो रहा है। नलकूपों से भी गंदा पानी निकलता है। जिससे खेतों की फसल प्रभावित होती है। नमामि गंगे परियोजना के तहत मीरापुर रोड काली नदी पर वेटलैंड और ट्रीटमेंट संरचनाएं बनाई गईं।

4 दैनिक जागरण मेरठ, 20 फरवरी, 2026

G/Anyesh

NOTARY ★ Sudha Rai Notary/Adv. R-10945 BY GOVT. OF INDIA

खतरा | शुगर मिल का केमिकल युक्त गंदा पानी नाले और नदी में छोड़ा जा रहा

शेखपुरा से काली नदी तक जहरीला हुआ पानी

- **15 मई 2025 की जांच में यूपी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने उल्लंघन का मामला पकड़ा**

मेरठ, लोकसत्य। खतौली चीनी मिल पर्यावरण के नियमों की खुलेआम अनदेखी कर रही है। मिल के प्रदूषित पानी ने आसपास के गांवों को धीरे धीरे बीमार और बदहाल बना दिया है। नदियां, तालाब और नाले अब पानी के स्रोत नहीं रहे, बल्कि जहर ढोने के रास्ते बन गए हैं।

खतौली के पीछे बसे शेखपुरा गांव में पहुंचते ही हालात खुद गवाही देने लगते हैं। यहां त्रिवेणी ग्रुप की चीनी मिल से निकलने वाले जहरीले कचरे ने हवा, पानी और जमीन तीनों को प्रदूषित कर दिया है। गांव की नालियों में काला झाग भरा रहता है। तेज रासायनिक बदबू हर वक्त हवा में तैरती रहती है। गांव के ही सीताराम कहते हैं कि हैंडपंप से निकलने वाला पानी पीला है और बदबू करता है। खेतों की उपज लगातार गिर रही है। गंगादेई कहती हैं कि गांव के बच्चों में त्वचा रोग, पेट की बीमारी और एलर्जी आम हो गई है। युवक रोहन बताते हैं कि मजबूरी में लोग आरओ और मिनरल वॉटर के डिब्बों पर निर्भर हो गए हैं, लेकिन यह खर्च हर परिवार के बस का नहीं है। अब रिश्तेदार भी यहां आने से कतराते हैं। बेटा-बेटियों के रिश्ते करने में मुश्किलें आती हैं। कमलेश बताती हैं कि मिल से निकलने वाला नाला लगातार पास के तालाब में रिसता रहता है। उसी तालाब का पानी जमीन के नीचे जाकर हैंडपंपों तक पहुंच रहा है। तालाब की कभी सफाई नहीं होती।

गांव में जल जीवन मिशन के तहत ओवरहेड टैंक तो लगा है, लेकिन सभी घरों में कनेक्शन नहीं दिए गए। मिल से निकलने वाले **जहरीले काले पानी की बदबू से यहां** की हवा भी सांस लेने लायक नहीं रही। हैंडपंपों से निकलने वाला पानी कुछ देर में ही पीला पड़ जाता है और बदबू आती है। यह गंदा पानी याहियापुर रोड के सहारे काली नदी **में जाकर मिल जाता है। नाले के** किनारे खेतों में काम कर रहे किसान बताते हैं कि पहले इसी नदी में नहाया करते थे, अब बदबू की वजह से वहां खड़ा होना भी मुश्किल है। पानी में मछलियां नहीं बचीं।

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने पकड़ा था उल्लंघन

वर्ष-2025 में यूपी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की जांच ने इस पूरे मामले की असली तस्वीर सामने रख दी थी। रिपोर्ट में पाया गया कि खतौली स्थित त्रिवेणी शुगर मिल का ट्रीटमेंट प्लांट बंद था और केमिकल मिला पानी सीधे नाले और फिर नदी में छोड़ा जा रहा था। रिपोर्ट में यह भी दर्ज हुआ कि मिल के बॉयलर और केमिकल प्रक्रिया से जुड़े उपकरण पर्यावरण मानकों के अनुरूप नहीं हैं और बिना शुद्धिकरण का पानी काली नदी में बहाया जा रहा है, जो आगे जाकर गंगा नदी तक पहुंचता है। जांच के बाद यह भी कहा गया था कि मिल की सहमति निलंबित की गई है, संचालन पर रोक लगेगी, बिजली और पानी काटने की सिफारिश होगी और रोजाना जुर्माना लगाया जाएगा। पंद्रह दिन का अल्टीमेटम भी दिया गया था, लेकिन आज भी मिल का काला और बदबूदार पानी नाले से होकर काली नदी में जा रहा है। बस्ती का तालाब लगातार जहर से भर रहा है।

Meerut 21-02-2026

http://epaper.loksatya.com/

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक लोकसत्य

NOTARY Sudesh R... Notary/Adv. R-10945 BY GOVT. OF INDIA

3:07

Deshbandhu na...
PDF reader

छज्जा कैसे टूट गया। कुछ महीने पहले जनपद की खागा तहसील क्षेत्र में नकली सीमेंट की खेप पकड़ी गई थी।

कॉलेज परिसर में प्रवेश कर परीक्षार्थियों की सघन तलाशी ली, स्ट्रांग रूम में देर तक

शेखपुरा से काली नदी तक जहर घोल रही खतौली चीनी मिल

मेरठ/खतौली, 19 फरवरी (देशबन्धु)। खतौली के पीछे बसे शेखपुरा गांव में त्रिवेणी ग्रुप की चीनी मिल से निकलने वाले जहरीले कचरे ने हवा, पानी और जमीन तीनों को प्रदूषित कर दिया है। गांव की नालियों में काला झाग भरा रहता है। तेज रासायनिक बदबू हर वक्त हवा में तैरती रहती है। गांव के ही सीताराम ने बताया कि हैंडपंप से निकलने वाला पानी पीला है और बदबू करता है। खेतों की उपज लगातार गिर रही है। गंगादेई कहती हैं कि गांव के बच्चों में त्वचा रोग, पेट की बीमारी और एलर्जी आम हो गई है। युवक रोहन बताते हैं कि मजबूरी में लोग आरओ और मिनरल वॉटर के डिब्बों पर निर्भर हो गए हैं, लेकिन यह खर्च हर परिवार के बस का नहीं है। शेखपुरा की महिलाएं बताती हैं कि अब रिश्तेदार भी यहां आने से कतराते हैं। बेटा-बेटियों के रिश्ते करने में मुश्किलें आती हैं। कमलेश बताती हैं कि मिल से निकलने वाला नाला लगातार पास के तालाब में रिसता रहता है। उसी तालाब का पानी जमीन के नीचे जाकर हैंडपंपों तक पहुंच रहा है। तालाब की कभी सफाई नहीं होती। गांव में जल जीवन मिशन के तहत ओवरहेड टैंक तो लगा है, लेकिन सभी घरों में कनेक्शन नहीं हैं। महिलाओं का कहना है कि मिल से निकलने वाले जहरीले काले पानी की बदबू से यहां की हवा भी सांस लेने लायक नहीं रही। हैंडपंपों से निकलने वाला पानी कुछ देर में ही पीला पड़ जाता है। इससे भयंकर बदबू आती है। साल 2025 में उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की जांच ने इस पूरे मामले की असली तस्वीर सामने रख दी थी।

आयोजन *ऑल इण्डिया स्पोर्ट्स एवं कल्चर फेस्टिवल ओ*

नौ स्वर्ण, छह रजत व आठ कांस्य पद

- विभिन्न खेल एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में राष्ट्रीय स्तर पर किया शानदार प्रदर्शन
- विजेता छात्र-छात्राओं को मेडल व सर्टीफिकेट देकर किया सम्मानित

मवाना, 19 फरवरी (देशबन्धु)। वैंकटेश्वरा समूह के लिए गुरुवार का दिन बेहद खास रहा है। वैंकटेश्वरा समूह के वैंकटेश्वरा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साईंसेस (विम्स) के एम.बी.बी.एस. के छात्र-छात्राओं ने आर्मी कॉलेज ऑफ मेडिकल साईंसेस दिल्ली कैन्ट द्वारा आयोजित 'ऑल इण्डिया कल्चर एवं स्पोटर्स फैस्टिवल' ओरा-2026 में देश के अस्सी से अधिक सरकारी एवं निजी मेडिकल कॉलेजों के साथ हुईकड़ी प्रतिस्पर्धा में दो दर्जन से अधिक मेडल एवं सर्टीफिकेट जीतकर संस्थान का गौरव बढ़ाया है। चार दिवसीय इस 'कल्चरल

आए खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए संस्थपक अध्यक्ष सुधीर गि[illegible] कि वैंकटेश्वरा [illegible]त्राऐं स्वास्थय ए[illegible]र चिकित्सीय सेवाओ में सफलता के नित नए आयाम स्थापित कर रहे

सेवाओं एवं चिकित्सा शिक्षा में ऊंचे मापदण्ड स्थापित करने पर वैंकटेश्वरा देश के छात्र-छात्राओं की पहली पसंद बना हुआ है। आर्मी मेडिकल कॉलेज नई दिल्ली द्वारा आयोजित इस ऑल इण्डिया कल्चरल एवं

NOTARY BY GOVT. OF INDIA
Sudha R
Notary/Adv.
R-10945

NOTARY
Sudha Rani
Notary/Adv.
R-10945
BY GOVT. OF INDIA

ATTESTED
SUDHA RANI
Advocate
Notary Public
Tehsil Modi Nagar
Ghaziabad

24 FEB 2026

Gmail

Satyabeer Singh <sbsinghcounsel@gmail.com>

Service of Supplementary affidavit with additional facts

1 message

Satyabeer Singh <sbsinghcounsel@gmail.com> Wed, Feb 25, 2026 at 9:33 AM

To: pccf-up@nic.in, "info@uppcb.in" <info@uppcb.in>, "romuzaffarnagar@uppcb.in" <romuzaffarnagar@uppcb.in>, "info@trivenigroup.com" <info@trivenigroup.com>

Kindly find the Attachment of Supplementary Affidavit with Additional Facts

Supp Affidavit.pdf
14429K